ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 15 जनवरी 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 252

हल्दीघाटी–रक्त तलाई के संरक्षण पर हाईकोर्ट सख्त, 16 विभागों को नोटिस, नए निर्माण पर रोक



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद/जोधपुर। राजस्थान की ऐतिहासिक पहचान और स्वाभिमान के प्रतीक हल्दीघाटी और रक्त तलाई की लगातार बिगड़ती हालत पर राजस्थान हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। जोधपुर हाईकोर्ट ने इन दोनों ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा और संरक्षण से जुड़े मामले को स्वप्रेरित जनहित याचिका के रूप में दर्ज करते हुए प्रशासनिक लापरवाही पर तीखी टिप्पणी की है। जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने 16 दिसंबर 2025 को जारी आदेश में कहा कि ऐतिहासिक धरोहरों पर बढ़ता आधुनिक निर्माण का दबाव उनके मूल स्वरूप को नष्ट कर रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस तरह की लापरवाही संविधान और प्रचलित कानूनों के प्रतिकूल है।

16 विभागों को नोटिस, जवाब तलब

हाईकोर्ट ने मामले में पर्यटन विभाग, लोक निर्माण विभाग, केंद्रीय एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उदयपुर कलेक्टर-एसपी, एनएचएआई, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण विभाग सहित कुल 16 प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर अंतरिम निर्देश दिए हैं।

सड़क विस्तार में दबे पुरातात्विक अवशेष

खंडपीठ ने रिकॉर्ड पर आई रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2019 में सड़क विस्तार के दौरान हल्दीघाटी के ऐतिहासिक और संकरे दर्रे को लगभग 40 मीटर चौड़े टू-लेन राजमार्ग में बदल दिया गया। इसके लिए पहाड़ियों की कटाई की गई और 200 से अधिक पेड़ हटाए गए, जिससे कई संभावित पुरातात्विक अवशेष डामरीकरण के नीचे दब गए। कोर्ट ने यह भी चिंता जताई कि भारी वाहनों की आवाजाही, डीजल का धुआं, मिट्टी का कटाव और पर्वत ढहने का खतरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र की पारिस्थितिकी और ऐतिहासिक संरचना पर खतरा मंडरा रहा है।

रक्त तलाई की स्थिति 'दयनीय'

हाईकोर्ट ने रक्त तलाई की वर्तमान हालत को बेहद चिंताजनक बताया। कोर्ट के अनुसार यह स्थल, जो हल्दीघाटी युद्ध के बलिदान और शौर्य का प्रतीक है, आज उपेक्षा का शिकार हो चुका है। यहां ऊंची घास, टूटे कांच, कचरे के ढेर और क्षतिग्रस्त छतरियां दिखाई देती हैं। पवित्र रक्त ताल सूखा पड़ा है और उसकी टाइलें टूट चुकी हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि दिन में यह क्षेत्र असामाजिक गतिविधियों का अड्डा और रात में शराबियों का ठिकाना बन जाता है। रक्त तलाई के पास सीवरेज का पानी बहना भी कोर्ट के लिए गंभीर चिंता का विषय रहा। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि रक्त तलाई भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की संरक्षित सूची में शामिल है, इसके बावजूद वहां संरक्षण के नाम पर कुछ भी नजर नहीं आता।

नए निर्माण पर तत्काल रोक

हाईकोर्ट ने सख्त निर्देश देते हुए हल्दीघाटी और रक्त तलाई क्षेत्र में किसी भी नए निर्माण या विस्तार पर तुरंत रोक लगा दी है। साथ ही— 15 दिन में सफाई अभियान चलाकर कचरा और घास हटाने पहाड़ियों और ऐतिहासिक ढलानों पर वाहन पार्किंग पर तत्काल प्रतिबंध 30 दिन में सीवरेज हटाने और जलभराव दूर करने 24 घंटे निगरानी के लिए केयरटेकर नियुक्त करने डीपीआर और वर्तमान स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। इस पूरे मामले में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (नई दिल्ली), राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित सभी संबंधित विभागों को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रकरण की अगली सुनवाई 28 जनवरी को होगी।

क्विक कॉमर्स का बिजनेस मॉडल नहीं बदला:कंपनियों ने सिर्फ 10 मिनट डिलीवरी की ब्रांडिंग हटाई, बाकी सब पहले जैसा



24 न्यूज अपडेट

करीब एक लाख करोड़ का क्विक कॉमर्स सेक्टर थोड़ा बदला है। केंद्र के कड़े रुख के चलते ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट मिनट्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने ब्रांडिंग से '10-मिनट डिलीवरी' का दावा हटा दिया है। हालांकि इनके बिजनेस के तरीके नहीं बदले हैं। अब कंपनियां एप पर टाइमर के बजाय दूरी (जैसेः स्टोर 500 मीटर दूर है) दिखाने पर जोर दे रही हैं।

बीएसई को दी गई जानकारी में ब्लिंकिट की पैरेंट कंपनी इटर्नल ने कहा है कि ब्रांडिंग बदलने से मुनाफा प्रभावित नहीं होगा। एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि टैगलाइन से '10 मिनट' हटाना बिजनेस मॉडल बदलने वाला फैसला नहीं है। कंपनियां 'फास्ट डिलीवरी' की ताकत नहीं छोड़ेंगी, क्योंकि यही उनकी यूएसपी है।

टाइमर की जगह अब डार्क स्टोर की दूरी पर फोकस

श्रम मंत्रालय के साथ हुई बैठक और राइडर सुरक्षा की चिंताओं के बाद, ब्लिंकिट ने अपनी ब्रांडिंग से '10-मिनट' के दावे को हटा दिया है। अब एप पर केवल 'मिनटों में डिलीवरी' जैसे शब्दों का उपयोग कर रहे हैं।

एक कुर्सी और हम हैं दो-अब क्या हो, कुछ तो करो!!!

सागवाड़ा नगर पालिका बनी सियासी अखाड़ा



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर सागवाड़ा में अभूतपूर्व राजनीतिक हालात बन गए हैं। एक ही अध्यक्ष पद के लिए दो दावेदार सामने आ गए हैं, जिसके चलते नगर पालिका कार्यालय में एक टेबल पर अध्यक्ष की दो कुर्सियां लग गईं— एक पर कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष और दूसरी पर भाजपा समर्थित अध्यक्ष बैठे नजर आए। याने एक कुर्सी और हम हैं, दो। अब क्या हो, कुछ तो करो जैसी बात हो गई। नगर पालिका सागवाड़ा सियासी अखाड़ा बन चुकी है। कार्यकाल के अंतिम चरण में जहां नगर के विकास पर फोकस होना चाहिए था, वहीं अब राजनीतिक खींचतान ने प्रशासनिक व्यवस्था को असमंजस में डाल दिया है। बुधवार को पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र खोड़निया कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए नगर पालिका पहुंचे और अध्यक्ष पद पर बैठ गए। वहीं, राज्य सरकार के आदेश के तहत भाजपा के आशीष गांधी पहले से ही नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर वास्तविक अध्यक्ष कौन है? किसके हस्ताक्षर मान्य होंगे? किसके आदेश पर नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी काम करेंगे? इस स्थिति ने न केवल कर्मचारियों बल्कि आम जनता को भी असमंजस में डाल दिया है।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यदि दोनों पक्ष टकराव के बजाय समन्वय से काम करें तो नगर विकास को गति मिल सकती है। लेकिन वर्तमान हालात में यह लड़ाई कुर्सी से आगे बढ़कर राजनीतिक वजूद और प्रतिष्ठा की जंग बन चुकी है। जनता का मानना है कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की इस खींचतान का खामियाजा नगरवासी भुगत रहे हैं। विकास कार्य ठप पड़े हैं और आमजन के काम अटके हुए हैं। अब सबकी नजरें स्वायत्त शासन विभाग पर टिकी हैं कि वह किसे अध्यक्ष पद का अधिकार सौंपता है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव के चलते शेयर बाजार बंद:नितिन कामथ बोले- लोकल इलेक्शन के लिए मार्केट बंद करना गलत; MCX शाम को खुलेगा



24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र में आज 15 जनवरी को नगर निगम चुनावों के चलते शेयर बाजार में कोई कामकाज नहीं हो रहा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने इस दिन पूरी तरह ट्रेडिंग छुट्टी घोषित की है। हालांकि, इस फैसले पर देश के सबसे बड़े ब्रोकरेज फर्म जिरोधा के को-फाउंडर नितिन कामथ ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे खराब प्लानिंग बताया है।

शुरुआत में एक्सचेंजों ने इसे केवल 'सेटलमेंट हॉलिडे' घोषित किया था, यानी सिर्फ पैसों और शेयरों का लेन-देन बंद रहना था। लेकिन पिछले हफ्ते एक्सचेंजों ने नया सर्कुलर जारी कर बताया कि राज्य में बैंकों की छुट्टी होने के कारण अब पूरी तरह ट्रेडिंग बंद रहेगी।

बीएमसी चुनाव 2026: प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में बंद, नतीजे कल आएंगे



24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र में बीएमसी (BMC) समेत 29 नगर निगमों के लिए आज गुरुवार को वोटिंग जारी है. बीएमसी एशिया की सबसे अमीर निकाय मानी जाती है. इसका सालाना बजट करीब 75 हजार करोड़ का है. यही वजह है कि सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावें ठोंक रहे हैं. ऐसा माना जाता है कि बीएमसी के 227 वार्ड में जो पार्टी सबसे मजबूत होती है, उसकी पहुंच मिनिस्ट्री तक होती है. बीएमसी चुनाव 2026 के लिए सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं. 29 नगर निगमों की करीब 227 सीटों के लिए 1,700 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. 16 जनवरी को संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर (ROs) की देखरेख में मुंबई भर में 23 तय सेंटरों पर वोटों की गिनती की जाएगी. एक प्रेस रिलीज में, नगर निगम ने कहा कि शहर के 23 डिवीजनल सेंटरों पर ईवीएम (EVM) और दूसरे चुनाव का सामान बांटने के साथ ही बुधवार को वोटिंग की तैयारी पूरी कर ली गई.

'ऑपरेशन साइबर हंट' में बड़ी कामयाबी, फर्जी बैंक अफसर बनकर ठगी करने वाला साइबर ठग जयपुर से दबोचा गया



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। डूंगरपुर साइबर थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन साइबर हंट' के तहत साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। खुद को एक नामी निजी बैंक का अधिकारी बताकर आम लोगों को जाल में फंसाने वाले एक शातिर साइबर ठग को जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने डूंगरपुर के एक शिक्षक को लोन की राशि कम कराने का झांसा देकर करीब साढ़े तीन लाख रुपए की ठगी को अंजाम दिया था।

साइबर थाने के सीआई गिरधार सिंह ने बताया कि नेजपुर निवासी शिक्षक दिनेश चंद्र यादव ने इस संबंध में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित को व्यक्तिगत ऋण की आवश्यकता थी और इसी जरूरत को साइबर ठग ने अपना हथियार बनाया।

सीआई ने बताया कि 9 अक्टूबर को दिनेश चंद्र यादव के मोबाइल पर प्रियांशु शर्मा नामक युवक का कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एक नामी निजी बैंक का अधिकारी बताया और आकर्षक शर्तों पर पर्सनल लोन दिलाने का प्रस्ताव रखा। बातों में आकर शिक्षक ने पर्सनल लोन के लिए सहमति दे दी।

आरोपी के कहने पर पीड़ित ने अपने जरूरी दस्तावेज व्हाट्सएप के जरिए भेज दिए। इसके बाद आरोपी ने शिक्षक को बताया कि उसका लोन 21 लाख रुपए की बजाय 23 लाख 54 हजार 23 रुपए का पास हो गया है। जब पीड़ित ने अतिरिक्त राशि की आवश्यकता न होने की बात कहते हुए लोन अमाउंट कम करवाने की बात कही, तो आरोपी ने नया झांसा दिया।

आरोपी ने शिक्षक से कहा कि "ज्यादा पास हुए लोन" की राशि कम करवाने के लिए कुछ पैसे पहले जमा करवाने होंगे। इस बहाने उसने बैंक ऑफ बड़ौदा के एक खाते में अलग-अलग किस्तों में कुल 3 लाख 47 हजार 927 रुपए जमा करवा लिए। रकम खाते में पहुंचते ही आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया। लगातार संपर्क टूटने पर शिक्षक को ठगी का एहसास हुआ।

पीड़ित की रिपोर्ट पर साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने साइबर डेटा, मोबाइल ट्रेल और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई और दिनेश चंद्र शर्मा उर्फ प्रियांशु शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया।

उदयपुर सर्राफा बाजार : सोना–चांदी के स्थानीय भाव जारी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्राफा एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए ताजा स्थानीय भावों के अनुसार गुरुवार को सोना और चांदी की कीमतों में यह दरें दर्ज की गईं— चांदी टंच (प्रति किलोग्राम) : 2,65,700, चांदी चौरसा (प्रति किलोग्राम) : 2,64,100, सोना स्टैंडर्ड (999 शुद्धता) : 1,41,730 प्रति 10 ग्राम, सोना जेवराती (23 कैरेट) : 1,36,060 प्रति 10 ग्राम, सोना (22 कैरेट) : 1,30,390 प्रति 10 ग्राम सर्राफा एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि उपरोक्त सभी दरों पर 3 प्रतिशत जीएसटी अतिरिक्त देय रहेगा। बाजार सूत्रों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय रुझानों और घरेलू मांग के आधार पर आने वाले दिनों में भावों में उतार–चढ़ाव बना रह सकता है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : सुरक्षा की फिक

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अत्यधिक व्यस्तता के बीच आनलाइन सामान पहुंचाने का कारोबार न केवल रोजगार का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बन गया है, बल्कि यह उपभोक्ताओं के लिए एक बड़े बाजार की शक्ल ले चुका है। खासकर कोविड महामारी के बाद से इसमें जबरदस्त उछाल आया है और अब मांग पर हर तरह के उत्पाद मिनटों में घर पर पहुंच जाते हैं। मगर तत्काल सामान पहुंचाने की होड़ में इस कार्य से जुड़े कर्मियों पर आनलाइन कंपनियों के दबाव और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं। सामान पहुंचाने के दौरान सड़क हादसों में मौत हो जाने की देश भर में कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अब दस मिनट में सामान पहुंचाने से संबंधित कंपनियों के दावों पर रोक लगाने का आदेश दिया है। सवाल है कि आखिर सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा ? क्या संबंधित कंपनियों की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वे अपने कर्मियों की सुरक्षा और बेहतरी की फिक्र करे ? बीते वर्ष के के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2025 को घर पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों ने हड़ताल का आह्वान कर अपनी दिक्कतों की तरफ देश, समाज और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। कुछ अरसे से आनलाइन बाजार की यह कह कर हिमायत की जा रही है कि इससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और उपभोक्ताओं को भी अपनी पसंद के सामान की खरीदारी का आसान विकल्प मिल गया है। साथ यह भी कहा जाता है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों को अपने कार्य की अवधि खुद तय करने की आजादी है। मगर, क्या वास्तव में उन्हें काम करने की आजादी है ? निर्धारित समय के भीतर सामान पहुंचाने और प्रतिदिन का लक्ष्य पूरा करने का दबाव कई बार उन्हें मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक तकलीफ भी देता है । इस दबाव में सड़क पर तेज रफ्तार में दोपहिया वाहन चलाने से हर समय जान का जोखिम बना रहता है। ऐसे में दस मिनट में सामान पहुंचाने के वादों पर रोक लगाना निहायत जरूरी हो गया था। नीति आयोग की वर्ष 2022 की एक रपट के अनुसार, वर्ष 2020 में देश भर में आनलाइन मांग पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की संख्या करीब 77 लाख थी और यह आंकड़ा 2030 तक 2.35 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इससे यह बात तो स्पष्ट है। कि आनलाइन बाजार के कारोबार से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन साथ ही संबंधित कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में कर्मियों की सुरक्षा और काम के दबाव का संकट भी पैदा हुआ है। कहा जा रहा है कि सरकार के आदेश के बाद आनलाइन कंपनियों ने अपने मंच से दस मिनट में सामान पहुंचाने का दावा हटा लिया है। मगर इस तरह की कोशिशें फिर से किसी दूसरे रूप में न हों, इसके लिए सरकार की ओर से एक निगरानी तंत्र बनाने की जरूरत है। सरकार को संबंधति आनलाइन मंचों के साथ मिलकर यह कोशिश करनी होगी कि श्रमशक्ति का यह हिस्सा सुरक्षित वातारण में विकास और सामाजिक गतिशीलता की सीढ़ी बने और उनके अधिकारों की भी रक्षा हो सके।

धोखाधड़ी पर लगाम

पिछले कुछ वर्षों में साइबर धोखाधड़ी का जाल इतना व्यापक हो गया है कि कब कौन ठगी का शिकार हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। जिस तेजी से इस तरह के मामले बढ़ रहे हैं, वह गंभीर चिंता का विषय है । सवाल है कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में साइबर ठगी पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है ? जालसाजी में फंसकर लोगों के जीवन भर की जमा पूंजी हाथ से निकल जाती है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे मामलों में तो पीड़ित को मानसिक यातना भी झेलनी पड़ती है। इस तरह के अपराधों पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय के विशेष सचिव की अगुआई में अंतर-मंत्रालयी समिति बनाई है। साथ ही यह भी कहा है कि 'डिजिटल अरेस्ट' से संबंधित सभी मामलों की जांच अब सीबीआइ करेगी। मगर, सरकार का यह कदम तभी कारगर साबित होगा, जब साइबर धोखेबाजों को किसी वारदात को अंजाम देने से पहले ही रोक दिया जाए। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने अपने एक आदेश में 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा था कि सरकार को इससे निपटने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। दरअसल, देश में आनलाइन लेन-देन बढ़ने के साथ ही साइगर ठगी के मामलों में भी बढ़ोतरी हुई है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आम नागरिक और खासकर बुजुर्ग नई तकनीक और आनलाइन जोखिम से अनजान हैं। जरा सी चूक होने पर लाखों रुपए जालसाजों के हाथ में चले जाते हैं। चिंता की बात यह है कि साइबर धोखाधड़ी के लिए आए दिन नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि आम लोगों को डिजिटल साक्षरता के जरिए व्यापक स्तर पर जागरूक किया जाए। मसला सिर्फ इस तरह के मामलों की जांच का नहीं है, बल्कि जरूरत इस बात की है कि अपराध होने से पहले ही उसे रोक दिया जाए। जब तक साइबर अपराधियों की धर-पकड़ के लिए मजबूत तंत्र स्थापित नहीं किया जाएगा, तब तक इस ऐसे मामलों पर पूरी तरह रोक लगा पाना संभव नहीं हो पाएगा।

भीलवाड़ा महिला से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला, होटल कर्मचारी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा की एक महिला से दुष्कर्म और दो वर्षों तक अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने के मामले में क्लॉक टावर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़िता को खाने में नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बनाकर लंबे समय तक उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता रहा। क्लॉक टावर थाना प्रभारी भीखाराम काला ने बताया कि नवंबर 2025 में पीड़िता ने भीलवाड़ा में जीरो नंबर एफआईआर दर्ज करवाई थी। प्रारंभिक जांच के बाद प्रकरण क्लॉक टावर थाना क्षेत्र का पाए जाने पर केस यहां ट्रांसफर किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया और गहन जांच के बाद गंज निवासी आता मोहम्मद (27) को गिरफ्तार किया गया। आरोपी एक होटल में कर्मचारी के रूप में काम करता है। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है। जियारत के दौरान बनाया शिकार पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि वह अजमेर जियारत के लिए आई थी और रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक होटल में ठहरी थी। इसी दौरान होटल स्टाफ ने उसे खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया गया और अश्लील फोटो-वीडियो भी बना लिए गए। दो साल तक चलता रहा ब्लैकमेलिंग का खेल पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने आपत्तिजनक फोटो-वीडियो के जरिए उसे लगातार ब्लैकमेल किया। करीब दो वर्षों तक वह इसी डर के साए में रही। कुछ महीने पहले आरोपी ने उसके अश्लील फोटो-वीडियो वायरल भी कर दिए। इतना ही नहीं, पीछा छोड़ने और वीडियो न फैलाने की एवज में आरोपी ने उससे 5 लाख रुपए की मांग भी की थी। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं, ताकि पीड़िता को न्याय दिलाया जा सके और दोषी को कड़ी सजा सुनिश्चित हो।

चोरी के शक ने ली एक और जानः होटल में रोककर पिटाई, इलाज से पहले टूटा 20 वर्षीय युवक का दम



24न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़/भीलवाड़ा। चोरी के संदेह को लेकर की गई कथित मारपीट एक युवक की मौत का कारण बन गई। मामला चित्तौड़ जिले के गंगरार थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां एक होटल में रोके गए युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी जान नहीं बच सकी। मृतक की पहचान मंगरोप निवासी 20 वर्षीय शंकर सिंह के रूप में हुई है, जो भीलवाड़ा के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक टायर कंपनी में कार्यरत था। परिजनों का आरोप है कि शंकर को होटल में झूठे चोरी के आरोप में बंधक बनाकर रातभर प्रताड़ित किया गया। घटना के बाद अस्पताल में पोस्टमॉर्टम को लेकर हालात तनावपूर्ण हो गए। बुधवार देर शाम तक मृतक के परिजन और समाजजन भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर डटे रहे। मुआवजे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर सहमति नहीं बनने से पोस्टमॉर्टम नहीं हो सका।

गुरुवार सुबह परिजनों ने एक बार फिर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

उनका कहना है कि शंकर को समय पर इलाज नहीं मिलने दिया गया और गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजन होटल संचालक सहित अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मृतक के भाई विशाल सिंह की ओर से दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि 13 जनवरी को शंकर गंगरार स्थित एक होटल में खाना खाने गया था। इसी दौरान होटल स्टाफ और अन्य लोगों ने उस पर बैटरी व टायर चोरी का आरोप लगाते हुए उसे होटल में ही रोक लिया। आरोप है कि पूरी रात उसके साथ मारपीट की गई।

सुबह परिजनों को सूचना मिलने पर वे होटल पहुंचे, जहां से शंकर को ले जाने में भी कथित तौर पर बाधा डाली गई। किसी तरह उसे भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि शंकर के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे।

मामले की सूचना पर गंगरार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानाधिकारी श्यामाराम ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल हालात को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। परिजनों और समाज के लोगों ने मृतक के परिवार को 21 लाख रुपए मुआवजा देने, सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि शंकर परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था और मांगें पूरी होने तक शव नहीं उठाया जाएगा।

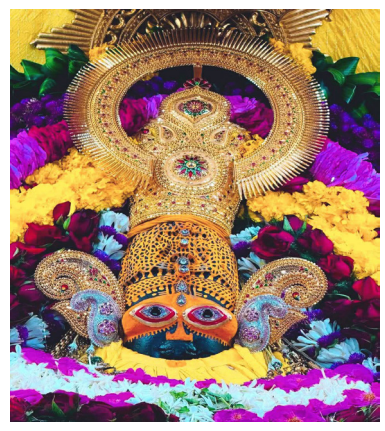
उदयपुर-डूंगरपुर रेलखंड पर सुरक्षा में सेंध, वीरभूमि एक्सप्रेस पर नाबालिग बच्चों ने किया पथराव



24न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर-डूंगरपुर रेलखंड पर एक बार फिर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। जयसमंद और जावर माइंस रेलवे स्टेशन के बीच सरसिया फाटक के समीप चलती वीरभूमि एक्सप्रेस पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी कर दी। अचानक हुई इस घटना से ट्रेन में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। पथराव के दौरान ट्रेन के जनरल कोच के शीशे टूट गए और पत्थर कोच के भीतर आ गिरे। इस घटना में एक महिला सहित दो पुरुष यात्रियों को चोटें आईं। घायलों को रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने मौके पर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। घटना 13 जनवरी को शाम करीब 6.33 बजे उस समय हुई, जब असावरा (अहमदाबाद) से इंदौर जा रही वीरभूमि एक्सप्रेस जयसमंद स्टेशन से आगे बढ़ रही थी। ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने बताया कि अचानक कांच टूटने की आवाज के साथ पत्थर अंदर आए, जिससे दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और आरपीएफ मौके पर पहुंची और हालात संभाले। आरपीएफ उदयपुर द्वारा रेल अधिनियम की धारा 153 और 147 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो नाबालिगों को डिटेन किया गया, जिन्हें बाद में बाल न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर दोनों को बाल सुधार गृह भेजा गया है। गौरतलब है कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी इसी रेलखंड पर पथराव की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। नवंबर 2022 में जावर माइंस क्षेत्र में रेल पटरी उड़ाने की साजिश का खुलासा हो चुका है, जिसने इस इलाके को रेलवे सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील बना दिया है। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। स्थानीय स्तर पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग एक बार फिर उठने लगी है।

खाटूश्याम कीर्तन 21 जनवरी को तुलसीदास सराय में, देशभर के भजन कलाकार करेंगे बाबा श्याम का गुणगान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से बुधवार 21 जनवरी को खाटूश्याम कीर्तन का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कीर्तन सायंकाल 6 बजे से डबोक एयरपोर्ट रोड स्थित निर्माणाधीन श्री श्याम मंदिर, तुलसीदास जी की सराय परिसर में आयोजित होगा। ट्रस्ट अध्यक्ष शशिकांत खेतान ने बताया कि कार्यक्रम में देशभर से प्रसिद्ध भजन कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। मंदसौर से अनुष्का एवं अधिष्ठा की जोड़ी विशेष आकर्षण रहेगी, जिन्होंने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। वहीं उदयपुर की केमिता राठौड़, जयपुर से गोविंद शर्मा, उदयपुर से अंजलि व चिराग आचार्य, जमनाशंकर, योगेश सैनी तथा इतिशा गोयल भी श्याम भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर करेंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन स्थल पर भव्य पंडाल सजाया जा रहा है, जिसे अनिल वैद अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। मुख्य मार्ग से पंडाल तक रंग-बिरंगी रोशनी की सजावट गजानंद शर्मा द्वारा की जा रही है। बाबा श्याम के दरबार को जयपुर के सांवरिया डेकोरेटर द्वारा फूल-मालाओं से आकर्षक रूप में सजाया जाएगा। कार्यक्रम में हिमांशु साउंड की मधुर ध्वनि व्यवस्था रहेगी, जो भजनों की प्रस्तुति को और प्रभावी बनाएगी। ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर भजन संध्या में भाग लेने की अपील की गई है।

भाजपा की बैठक में एसआईआर एवं संगठनात्मक कार्यों पर विचार विमर्श



24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा , भारतीय जनता पार्टी खेरवाड़ा मंडल की बैठक कस्बे के डाक बंगला परिसर में सम्पन्न हुई। मण्डल अध्यक्ष हेमंत मेहता ने बताया कि एसआईआर एवं पार्टी के संगठनात्मक विचार विमर्श को लेकर देहात जिला प्रभारी मोतीलाल मीणा के मुख्य आतिथ्य में बैठक आहूत की गई। मीणा द्वारा पदाधिकारियों से एसआईआर की प्रगति के बारे में जानकारी जुटा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। पार्टी के संगठनात्मक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभारी मीणा ने क्षेत्र के कई बुथ एवं शक्ति केंद्रों पर पहुंच कर शक्ति केन्द्र संयोजक / प्रभारी, बूथ अध्यक्ष से संगठन से संबंधित जानकारी जुटाई। प्रभारी मीणा ने पार्टी के मोर्चो एवं प्रकोष्ठों के समस्त पदाधिकारी, भाजपा मण्डल कार्यकारिणी (वर्तमान/पूर्व), शक्ति केन्द्र संयोजक / प्रभारी, बूथ अध्यक्ष ,बूथ कार्यकारिणी एवं बीएलए 2, पूर्व प्रधान, पूर्व उप प्रधान, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, उप सरपंच (वर्तमान/पूर्व) एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत चुनावों के मद्दे नजर एक जुट होकर पार्टी उम्मीदवारों को जीताने तैयार रहने का आह्वान किया। बैठक से पूर्व मंडल की ओर से पदाधिकारियों द्वारा जिला देहात प्रभारी का उपर्णा ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर देहात जिला मंत्री अमित कलाल एवं लक्ष्मी अहारी, पूर्व प्रधान अमृतलाल डामोर, पूर्व उप प्रधान हलु राम डामोर, देहात जिला पदाधिकारी आजाद कलाल,अध्यक्ष हेमंत मेहता, उपाध्यक्ष बदामी लाल सुथार, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, नरेश मोची, राजेंद्र खराड़ी, हरीश पानेरी सहित मंडल के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष हेमंत मेहता द्वारा किया गया।

भींडर मित्र मंडल उदयपुर द्वारा 700 स्वेटर एवं 300 कम्बल वितरित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 15 जनवरी। भींडर मित्र मंडल, उदयपुर की ओर से कड़ाके की सर्दी को देखते हुए भींडर पंचायत समिति के ग्रामीण क्षेत्रो में कम्बल एवं स्वेटर का वितरण किया गया । भींडर मित्र मंडल उदयपुर के अध्यक्ष लोकेन्द्रसिंह चावड़ा ने बताया भींडर के रणीया, धावडिया, गाड़रियावास कुन्थवास, धकडावला, कुंडई, कुंथवास, सवना, रायला ग्राम के प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक स स्कूलो के लगभग 700 जरूरतमंद बच्चो को स्वेटर और लगभग 300 कम्बले ग्रामीणों को वितरित किया गया । सचिव आशीष सिंघवी ने बताया की भींडर मित्र मण्डल उदयपुर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह पुनीत कार्य किया गया । भींडर मित्र मण्डल पूर्व मे भी ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंद लोगो की सेवा करता रहा है । कार्यक्रम मे भीण्डर मित्र मण्डल के पूर्व सचिव नवनीत सोमानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूरन कोठारी, संजय गर्ग एवं नरेश मीणा सहित कई सदस्यगण उपस्थित रहे ।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

ग़ालिब ज़िंदा होते, तो शायद लिखते- दो गज ज़मीं भी नसीब न हुई अरावली को....

पहाड़ों में रख लेते पतंगोत्सव!! ड्रोन से पतंगे उड़ जातीं और हवा भी टाइट हो जाती!!



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के आस-पास कई सालों से पहाड़ रोज़ कत्ल हो रहे हैं। कभी रिसोर्ट के नाम पर, कभी होटल के नाम पर, तो कभी हॉस्पिटल के नाम पर। कत्ल के बहाने बदलते रहते हैं, मगर कातिलों की टोली वही रहती है—शहरवासियों की जानी-पहचानी, पहचान छुपाए बिना मुस्कराती हुई। अरावली की छाती पर पड़े ये घाव नए नहीं हैं, बस हर साल थोड़ा गहरे होते जा रहे हैं। इतने बरसों में अरावली के हत्यारों की कई-कई पीढ़ियां पनप गईं। बाप ने पहाड़ काटा, बेटे ने प्लॉटिंग की और पोते ने "ग्रीन प्रोजेक्ट" का बोर्ड लगा दिया। करोड़ों कूट लिए, फिर भी मन नहीं भरा। लालच ऐसा कि पहाड़ छोटा पड़ गया, मगर भूख और बड़ी हो गई।

धंधा इतना फैल गया कि पहले सकुचाकर, छुपकर और दबी जुबान में नेता लोग अपनी हिस्सेदारी मांगते थे। अफसर भी दबी जुबान में हाथ रंगते, भू माफिया डरता था सामने आने से, टेबल के नीचे से सौदा करते हुए बचते-बचाते दिखते थे। मगर अब तो सब खुल्ला खेल फरूखाबादी है। पहाड़ दिखा नहीं कि कटा नहीं—बस बोली लगाने वाला चाहिए। द-लाल यूडीए से लेकर जयपुर-दिल्ली तक पलकें बिछाए बैठे हैं। नक्शे रात में पास होते हैं, रास्ते सुबह निकल आते हैं और शाम तक निर्माण "पुराना" घोषित कर दिया जाता है।

हर प्रॉपर्टी पर नेता-अफसर-भूमाफिया बैठा है

अब तो आम आदमी भी उंगली रखकर बता देता है—इस प्रॉपर्टी में फलां-फलां का निवेश है। फलां के परिवार वाले, फलां आईएएस-आईपीएस के चाचा-भतीजे, फलां नेताजी के स्टेक्स हैं। सबको सब पता है, बस सरकारी रिकॉर्ड को अचानक भूलने की बीमारी लग जाती है। देखने की फुर्सत ना तब थी, ना अब है और ना भविष्य में कभी रहने वाली है। दिल बहलाने के लिए सरकारी विज़िट का खयाल अच्छा है—जैसे मरीज़ को एक्स-रे दिखाकर दवा देने की बजाय फ्रेम में टांग दिया जाए।

ग़ालिब ज़िंदा होते तो क्या होता....

अगर मिर्ज़ा ग़ालिब आज ज़िंदा होते, तो शायद यूं लिखते— "दो गज ज़मीं भी नसीब न हुई अरावली को, हमने शहर बसाया, पहाड़ों को दफनाकर।" या फिर अपनी तल्ख़ी में यह भी जोड़ देते— "काग़ज़ों में हरी रही ये धरती तमाम उम्र, हक़ीक़त में हरियाली हमने खुद ही काट दी।" ग़ालिब की ग़ज़ल यहां किसी दीवार पर टंगने से पहले किसी बिल्डर के होर्डिंग में दब जाती। शेर पढ़ते-पढ़ते जेसीबी का हॉर्न बज जाता और शायरी की लय मलबे में बदल जाती। अब जबकि अरावली ने कराहना शुरू किया है, आवाज़ उठी है, ऐलान-ए-जंग जैसी नौबत आ गई है पहाड़ बचाने की—तो सरकारी अमला भी हरकत में दिखता है। "चलो, कुछ देख आते हैं", कहते हुए चेंबर से बाहर निकलते हैं। मगर बाहर निकलते ही रिस्क सामने खड़ा हो जाता है। जिधर नज़र घुमाओ, उधर कटे पहाड़, उखड़ी चट्टानें और आधे बने प्रोजेक्ट्स।

विचार तो बहुत उमड़ते होंगे इनके मन में भी

मन में विचार बहुत घुमड़ते होंगे इनके भी, मगर आईएएस वाली पढ़ाई और पहाड़ों की असली पॉलिटिकल चढ़ाई में ज़मीन-आसमान का फर्क है। किताबों में पर्यावरण संरक्षण सीधा-सादा लगता है, ज़मीन पर उतरते ही हर पत्थर के नीचे कोई सिफारिश दबे पांव खड़ी मिलती है। रिस्क फैक्टर इतना कि एक को रोकेंगे तो दूसरा बोलेगा—तीसरे को भी रोको। तीसरे को पकड़ने जाएंगे तो पहला कहेगा—लो साहब, मैं तो जयपुर से परमिशन लेकर आया हूं। तब तक दूसरा किसी मंत्रीजी को फोन घुमा देगा और तीसरा बिना किसी खौफ के नया निर्माण शुरू कर देगा। यही अरावली की नियति बन गई है—यहां कानून पीछे-पीछे चलता है और माफिया आगे-आगे रास्ता बनाता है। अरावली क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण और निर्माण की रोकथाम आखिर हो तो कैसे हो? करें तो कौन करे? किस इच्छाशक्ति के साथ करे? सवाल पहाड़ जितने भारी हैं और जवाब फाइलों जितने पतले। हर नई सरकार में पहाड़ बचाने के नारे बदलते हैं, मगर पहाड़ों का कटना नहीं बदलता।

कलेक्टर साहब चौंके, सड़क कैसे बन गई??

इसी बीच आज जिला कलेक्टर नमित मेहता शहर से सटे कैलाशपुरी क्षेत्र में यूडीए अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण हुआ, निर्देश दिए गए। अवैध रास्तों और निर्माण को ध्वस्त करने के आदेश भी जारी हुए। कलेक्टर साहब का गुस्सा वाजिब था—रास्ता बना तो बना कैसे? निर्माण हुआ तो हुआ कैसे?

मगर सिस्टम की रफ्तार अपनी है। पहले जांच होगी, फिर रिपोर्ट बनेगी, फिर फाइल चलेगी और फिर ठंडी आंच पर सरकारी कार्रवाई की खिचड़ी पकेगी। तब तक ज़मीन माफियाओं की स्वीट डिश तैयार हो चुकी होगी हुजूर। पैसा तब तक न जाने किन-किन हवाला चैनलों से उड़कर सुरक्षित ऊंचाइयों पर पहुंच चुका होगा। पहाड़ तब तक या तो आधा कट चुका होगा या पूरी तरह बिक चुका होगा। कलेक्टर साहब ने प्रतिबद्धता जताई कि अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम इस भावना का पहाड़ जैसा सम्मान करते हैं। ड्रोन सर्वे के निर्देश भी दिए गए हैं। ड्रोन आसमान से सच दिखाएंगे, मगर सवाल यह है—क्या ज़मीन पर उस सच को मानने की हिम्मत भी होगी?

और यहीं हमारा व्यंग्य सरकार को एक सुझाव देता है। जब जयपुर से संक्रांति पर पतंग उड़ाने के फरमान निकल ही चुके हैं, तो पतंगोत्सव पहाड़ों पर ही रख लेते। ड्रोन भी वहीं उड़ जाते, पतंगें भी वहीं लहरातीं और जनता अपनी आंखों से देख लेती कि अरावली का कितना सत्यानाश हो चुका है।

शायद तब हवा बदल जाती। और अगर हवा नहीं बदलती, तो कम से कम पतंगों की डोर ही किसी कटे पहाड़ से उलझकर सवाल पूछ लेती— "आख़िर मेरा कसूर क्या था?" अगर पहाड़ बोल पड़े, तो ग़ालिब का आख़िरी शेर कुछ यूं होता—"काट-काट कर कहा कि विकास हो रहा है, अब पूछते हो ग़ालिब, ये मलबा क्यों बोल रहा है?" उस दिन शायद जनता रो पड़े और शायद, सिर्फ़ शायद, प्रशासन कांप जाए।

निंबाहेड़ा में भक्ति का नया इतिहास, आचार्य श्री के 400वें विहार पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा (कविता पारख)। विहार सेवा ग्रुप निंबाहेड़ा के तत्वावधान में प.पूज्य आचार्य श्री निपुणरत्नसूरीश्वर म.सा. (ठाणा-5) के ऐतिहासिक 400वें विहार की पूर्णता पर निंबाहेड़ा में भक्ति, सेवा और अनुशासन का अनुपम संगम देखने को मिला। पामेचा फार्म हाउस से दिवाकर भवन तक निकली लगभग 8 किलोमीटर की पदयात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर इस अवसर को यादगार बना दिया। पूरे मार्ग में जयकारों की गूंज, अनुशासित विहार सेवकों की टोली और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। दिवाकर भवन पहुंचते ही परिसर गुरुभक्ति के नारों से गूंज उठा। इसके पश्चात मुनि श्री निराग रत्न विजय जी म.सा. के सानिध्य में सामूहिक आराधना, सामयिक एवं नवकार मंत्र के महाजाप का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं सहभागी बने। इस मांगलिक आयोजन के पुण्यशाली लाभार्थी लोकेश कुमार–मेहुल कुमार राठौड़ परिवार रहे, जिन्होंने समस्त साधर्मी बंधुओं एवं विहार सेवा से जुड़े सेवाभावी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। विहार सेवा ग्रुप निंबाहेड़ा एवं सकल जैन श्री संघ निंबाहेड़ा ने पैदल विहार सेवकों और वाहन सारथियों की सेवाओं की सराहना करते हुए इसे संघ की एकता और श्रद्धा का प्रतीक बताया। तखत सिंह सिंघवी, सागरमल विरानी, विजय मारू, अशोक तेजीवत, दिलीप पारख, दिलीप नागोरी, भेरूसिंह बोडाना, दिलीप पामेचा, मनोहर बोहरा, मुकेश बम, वीरेंद्र मारू, सुशील भड़कतिया, मुकेश नागोरी, जिनराज पितलिया, अनूप मेहता, रत्नेश छाजेड़, मनोज डांगी, दिव्यांशु डांगी, राकेश बोडाना, अरिहंत दक, राजेश मेहता, लोकेश बोडाना, गोतम सिंघवी, प्रीतेश धींग, सुमित बोडाना, यशवंत चपलोत, सौरभ बोडाना, राहुल नागोरी, पराक्रम मुनेत, अतुल बोडाना, कुलदीप नाहर, दीपक बोडाना सहित विहार सेवा ग्रुप, सकल जैन श्री संघ के श्रावकगण एवं वाहन सारथी उपस्थित रहे।

'ऑपरेशन साइबर हंट' में बड़ी कामयाबी, फर्जी बैंक अफसर बनकर ठगी करने वाला साइबर ठग जयपुर से दबोचा गया



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। डूंगरपुर साइबर थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन साइबर हंट' के तहत साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। खुद को एक नामी निजी बैंक का अधिकारी बताकर आम लोगों को जाल में फंसाने वाले एक शातिर साइबर ठग को जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने डूंगरपुर के एक शिक्षक को लोन की राशि कम कराने का झांसा देकर करीब साढ़े तीन लाख रुपए की ठगी को अंजाम दिया था। साइबर थाने के सीआई गिरधार सिंह ने बताया कि नेजपुर निवासी शिक्षक दिनेश चंद्र यादव ने इस संबंध में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित को व्यक्तिगत ऋण की आवश्यकता थी और इसी जरूरत को साइबर ठग ने अपना हथियार बनाया। सीआई ने बताया कि 9 अक्टूबर को दिनेश चंद्र यादव के मोबाइल पर प्रियांशु शर्मा नामक युवक का कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एक नामी निजी बैंक का अधिकारी बताया और आकर्षक शर्तों पर पर्सनल लोन दिलाने का प्रस्ताव रखा। बातों में आकर शिक्षक ने पर्सनल लोन के लिए सहमति दे दी। आरोपी के कहने पर पीड़ित ने अपने जरूरी दस्तावेज व्हाट्सएप के जरिए भेज दिए। इसके बाद आरोपी ने शिक्षक को बताया कि उसका लोन 21 लाख रुपए की बजाय 23 लाख 54 हजार 23 रुपए का पास हो गया है। जब पीड़ित ने अतिरिक्त राशि की आवश्यकता न होने की बात कहते हुए लोन अमाउंट कम करवाने की बात कही, तो आरोपी ने नया झांसा दिया। आरोपी ने शिक्षक से कहा कि "ज्यादा पास हुए लोन" की राशि कम करवाने के लिए कुछ पैसे पहले जमा करवाने होंगे। इस बहाने उसने बैंक ऑफ बड़ौदा के एक खाते में अलग-अलग किस्तों में कुल 3 लाख 47 हजार 927 रुपए जमा करवा लिए। रकम खाते में पहुंचते ही आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया। लगातार संपर्क टूटने पर शिक्षक को ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित की रिपोर्ट पर साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने साइबर डेटा, मोबाइल ट्रेल और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई और दिनेश चंद्र शर्मा उर्फ प्रियांशु शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी आधार बनाकर महिला को जाल में फंसाया, पीछा व धमकियों का मामला-दो आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महिलाओं को झूठी पहचान के सहारे विश्वास में लेकर दोस्ती करने, पीछा करने और सरकारी पहचान पत्र आधार कार्ड में कूट रचना करने के गंभीर मामले में उदयपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि आरोपियों ने न सिर्फ फर्जी नाम से आधार कार्ड तैयार किया, बल्कि सच्चाई सामने आने के बाद भी महिला को परेशान करना और उसके परिजनों को धमकाना जारी रखा। एसपी गोयल के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में शौकीन मोहम्मद (26) निवासी फारूक आजम कॉलोनी, मल्ला तलाई हाल छोटी कुंजरवाड़ी, सविना तथा मुजफ्फर नजर उर्फ बंटी उर्फ वसीम उर्फ टोपा (40) निवासी गोसिया कॉलोनी, किशनपोल थाना सूरजपोल शामिल हैं। मामले में पुलिस थाना सविना में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार आरोपी शौकीन मोहम्मद ने अपनी असली पहचान छुपाते हुए 'शिवम मीणा' के नाम से फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर महिला से दोस्ती की। जब महिला को उसकी वास्तविक पहचान का पता चला और उसने संपर्क तोड़ दिया, तब भी आरोपी ने पीछा करना और परिवार को धमकाना बंद नहीं किया। पुलिस जांच में सामने आया कि फर्जी आधार कार्ड तैयार करने में मुजफ्फर नजर की अहम भूमिका रही। वर्ष 2022 में उसने अपने मोबाइल के जरिए शौकीन मोहम्मद की फोटो को आधार कार्ड के फॉर्मेट में एडिट कर 'शिवम मीणा' नाम से नकली आधार कार्ड की फोटोप्रति तैयार की और उसे उपलब्ध कराई। यह दस्तावेज महिला को विश्वास में लेने के लिए इस्तेमाल किया गया। प्रकरण संख्या 11/2026 में भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं, भारतीय दंड संहिता की कूट रचना व धोखाधड़ी संबंधी धाराओं, आधार अधिनियम 2016 तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा के सुपरविजन और वृत्त नगर पूर्व के पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह के नेतृत्व में जांच की जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले आरोपी मुजफ्फर नजर को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस तरह के फर्जी दस्तावेज और कितने बनाए गए और किन-किन मामलों में उनका इस्तेमाल हुआ। इस कार्रवाई में एएसआई करण सिंह, कांस्टेबल विष्णु शर्मा, छगन और मांगीलाल की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि सरकारी पहचान दस्तावेजों से छेड़छाड़ और महिलाओं से जुड़े अपराधों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

न्युवोको विस्टास ने वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही के लिए अपने बेहतरीन वित्तीय परिणाम घोषित किए

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख बिल्डिंग मटीरियल कंपनी ने 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम घोषित किए। कंपनी पूर्व में रणनीतिक क्षमता विस्तार पर अपनी प्रगति जारी रखे हुए है, साथ ही वडराज सीमेंट सुविधाओं में प्रोजेक्ट का काम भी ट्रैक पर है, जिसमें क्लिंकर यूनिट और ग्राइंडिंग यूनिट्स का ऑपरेशन वित्तवर्ष 27 की तीसरी तिमाही से शुरू होने वाले चरणों में करने की योजना है। ये प्रयास और पहलें न्युवोको की कुल सीमेंट क्षमता को 35 एमएमटीपीए तक पहुंचाती हैं, जिससे यह लंबे समय के लिए भारत में पांचवें सबसे बड़े सीमेंट ग्रुप के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। तिमाही के शुरुआती हिस्से में छोटी-बड़ी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने सालाना आधार पर बेहतर प्रदर्शन बनाए रखा। कंपनी ने वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही 5 एमएमटी की अब तक की सबसे ज्यादा तीसरी तिमाही की सीमेंट बिक्री वॉल्यूम हासिल की, जिसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ऑपरेशन से कंसोलिडेटेड आय वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 2,701 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का कंसोलिडेटेड एबिटिडा वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 386 करोड़ रुपए रहा। प्रीमियम उत्पादों ने अपनी मजबूत गति बनाए रखी, जिसमें प्रीमियमाइजेशन लगातार दूसरी तिमाही में 44 प्रतिशत के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर बना रहा। कंपनी के परफॉर्मेंस पर प्रतिक्रिया करते हुए जयकुमार कृष्णास्वामी मैनेजिंग डायरेक्टर, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि "लंबे मॉनसून और त्योहारों की वजह से शुरुआती मैक्रोइकोनॉमिक चुनौतियों के बावजूद, जिससे अक्टूबर और नवंबर में डिमांड कम हो गई थी, दिसंबर में हेल्दी डबल-डिजिट ग्रोथ देखने को मिली, जो मजबूत रिकवरी मोमेंटम को दिखाता है। कंपनी ने प्रीमियम प्रोडक्ट्स और ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर लगातार फोकस की वजह से तीसरी तिमाही में अब तक का सबसे ज्यादा वॉल्यूम और एबिटिडा में 50 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हासिल की। कंपनी ने पिछले 17 तिमाहियों में सबसे कम ब्लेंडेड फ्यूल कॉस्ट भी हासिल की, जो 1.41 रुपये प्रति मैकल थी। वडराज सीमेंट प्लांट में रिनोवेशन और प्रोजेक्ट का काम प्लान के मुताबिक लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रीमियम उत्पाद, लागत खर्च और ऑपरेशनल कार्यकुशलता पर हमारे फोकस के समर्थन से ये रणनीतिक विस्तार, हमारे लंबी अवधि में प्रतिस्पर्धी लाभों को आगे बढ़ाएंगे।

महेंद्रगढ़, सतनाली और सिवानी को रेल सौगात, तीन ट्रेनों का ठहराव मंजूर



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने महेंद्रगढ़, सतनाली एवं सिवानी रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न रेल सेवाओं को प्रयोगात्मक आधार पर आगामी आदेशों तक ठहराव प्रदान किया है। इस निर्णय से क्षेत्र के यात्रियों को लंबी दूरी की ट्रेनों में चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण ने बताया कि इस निर्णय के तहत तीन प्रमुख रेल सेवाओं का इन स्टेशनों पर ठहराव सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 12323 हावड़ा–बाड़मेर रेलसेवा 21 जनवरी 2026 से महेंद्रगढ़ स्टेशन पर सायं 6 बजे पहुंचेगी तथा 6 बजकर 2 मिनट पर प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 12324 बाड़मेर–हावड़ा रेलसेवा 22 जनवरी 2026 से महेंद्रगढ़ स्टेशन पर प्रातः 4 बजकर 28 मिनट पर पहुंचेगी और 4 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19701 जयपुर–दिल्ली कैंट रेलसेवा को 19 जनवरी 2026 से सतनाली स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन रात 2 बजकर 10 मिनट पर सतनाली पहुंचेगी तथा 2 बजकर 12 मिनट पर प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 19702 दिल्ली कैंट–जयपुर रेलसेवा भी 19 जनवरी 2026 से सतनाली स्टेशन पर रात 2 बजकर 40 मिनट पर पहुंचेगी और 2 बजकर 42 मिनट पर रवाना होगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 14717 बीकानेर–हरिद्वार रेलसेवा को 20 जनवरी 2026 से सिवानी स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन रात 2 बजकर 51 मिनट पर सिवानी पहुंचेगी और 2 बजकर 53 मिनट पर आगे के लिए प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 14718 हरिद्वार–बीकानेर रेलसेवा 21 जनवरी 2026 से सिवानी स्टेशन पर रात 2 बजकर 25 मिनट पर पहुंचेगी और 2 बजकर 27 मिनट पर रवाना होगी।

UDA में 'राहु—ल' काल : गैप भूमि या घोटाला भूमि??? या फिर किसी की दिमागी खुराफात..???



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि यूडीए ने अपने किसी खासमखास हैविवेट को बचाने के लिए एक नया शब्द गढ़ा है—गैप भूमि!!! लेकिन इसकी परिभाषा पूछने पर यूडीए के पसीने छूट रहे हैं। शब्द बनाया तो उस खास को बचाने के लिए मगर अब यह अफसरों के ही गले पड़ गया है। सरकार पूछ रही है, आरटीआई में पूछा जा रहा है मगर गेप भूमि आखिर किस बला का नाम है या मोटी चमड़ी वाले किस अफसर की आर्थिक जुगाली के बाद जन्मी हुई जमीन है?? इसका जवाब कोई नहीं दे रहा है। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों में पढ़े अफसर, जनता के टेक्स के पैसों से लाखों खर्च करके शानदार ट्रेनिंग पास अफसर और बरसों के अनुभवी कर्मचारी भी इस शब्द के आगे पानी भर रहे हैं। उदयपुर के UDA को इस शब्द को जन्म देने के लिए तुरंत कोई ना कोई पुरस्कार जरूर दे देना चाहिए या चाहें तो राजस्थान सरकार इसे पिछले साल जन्मा महानतम शब्द भी बता सकती है। इसे रेवेन्यू वाली भाषा में शामिल भी कर सकती है। खांचा भूमि तो आपने सुना ही होगा मगर ये जो मामला है इसमें घोटाले का जो गैप भूमि बताया जा रहा टुकड़ा है उसकी साइज सुनकर ही आपको सांप सूंघ जाएगा। अगर यही हालात रहे तो आने वाले दिनों में उदयपुर शहर की पूरी की पूरी कॉलोनियां गैप भूमि बताकर किसी खास को किसी खास मकसद के लिए सौंप दी जाएगी। UDA के उच्च शिक्षित महान अफसरों ने खासतौर पर DPS स्कूल के जमीन घोटाले को जस्टिफाई करने के लिये इस शब्द का किसी मालदार लैब में निर्माण किया है। यह हस्त निर्मित शब्द लगता है। यहां पर — तुझे जमीं पर उतारा गया है मेरे लिए....टाइप बात हो गई है।

आप भी आजमाएं, यह आजमाया हुआ नुस्खा

इसे ऐसे समझिए कि जैसे आपके मकान के पास कोई जमीन है और उस पर आप नीयत खराब करके जबरन कब्जा कर लेते है। उसके बाद जब आपको लगता है कि जमीन को कागजों में कैसे लीगल किया जाए, तो आप UDA के पास जाकर कहते हैं कि — व्यापक जनहित के लिये इस जमीन को मुझे दे दीजिए। वो भी बाजार भाव से कम रेट पर। इस जमीन से मैं लाभ नही कमाऊँगा और बल्कि गरीब आदिवासियों के लिए काम मे लूँगा। UDA के अफसर पहले आपको देखेंगे, फिर आपके आस पास के पॉलिटिकल और मनी पावर की गहराई का जायजा लेंगे, आपके किसी खास संगठन से जुड़ाव की जानकारी लेंगे और इसका आत्मज्ञान होते ही आपके चरणों में दंडवत कर लेंगे। कहेंगे—नो प्रॉब्लम। आपने कब्जा किया, ठीक किया, कोई फिकर नोट। चिंता मत कीजिए, राहु—ल काल में सब मुमकिन है। आपको कौड़ियों में जमीन अलॉट कर देते हैं। उसके बाद तो आपके मजे हो जाते हैं। आप मजे से उस जमीन का अपने फायदे के लिये उपयोग करते है। सब कुछ एकदम — झिंगा—लाला टाइप चलता है। बाद में कोई सरकार को शिकायत कर देता है कि ये क्या तरीका हुआ?? कब्जे की जमीन कैसे दे दी??? नियम बताओ??? कानून की किताब खोलो?? अफसरों को सस्पेंड करो??? भ्रष्टाचार बंद करो??? बहुत ज्यादा चिल्लपौं मचने के बाद सरकार को लगता है कि अब इमेज पर बात आ जाएगी?? कोर्ट में जवाब देने पड़ जाएंगे....तो सरकार UDA से जवाब मांगती हैं। याने जिसकी करतूत है उसी से जवाब मांगा जा रहा है, यही तो खूबसूरती है हमारे सिस्टम की। UDA के महारथी व सर्व गुण संपन्न अफसर भी जानते हैं कि आगे का खेल कैसे खेलना है!!! एक जाँच कमेटी बनाती है, जाँच रिपोर्ट पेश की जाती है। रिपोर्ट जब उपर के सरकारी अफसरों के पास जाती है तो वे गड़बड़झाला पकड़ लेते हैं रिपोर्ट को विरोधाभासी बता देते हैं। UDA से सरकार पूछती है कि बताओ तो सही,,,,ये रिपोर्ट में आंकड़े अलग—अलग क्यों है? सरकार कहती है कि विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट दो और अगर कोई लापरवाही है तो दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करो।

24 हजार वर्गफीट जमीन गैप भूमि कैसे हो गई???

रिपोर्ट मांगते ही यूडीए आयुक्त सक्रिय होते हैं। एकदम फिल्मी जवाब देते हैं। सरकार को लिखते है कि साहब!!!! ये जो जमीन का अंतर आ रहा है!!! यानी कि जो लगभग 24 हजार वर्ग फीट एक्स्ट्रा जमीन आ रही है!!! ये तो गैप भूमि है जिसे आवंटित किया जाना शेष है। भाई साहब,,,,, ऐसा शानदार बहाना, ऐसा झूठ, ऐसा नया प्रयोग....इतिहास याद रखेगा इन अफसरों को इस नवाचार के लिए। आपके घर के पास भी कोई 24 हजार वर्गफीट की जमीन पड़ी हो तो तुरंत कब्जा कर लीजिए... क्योंकि बाद में यूडीए आपको गैप भूमि के रूप में इस जमीन का मालिकाना हक दिलवा देगी। उसके लिए क्या क्या टेबल के नीचे करना पड़ेगा, यह तो आप खुद समझदार है... अपने केलिबर और रिसोर्सेज के दम पर खुद कर लीजिएगा!!! सवाल तो उठते है कि जमीन की जाँच में गड़बड़ी क्यों हो रही है ? UDA के पास तो अभियन्ताओं , तकनीकविदों और वास्तुकारो की भी पूरी फौज है। उस पर भी काम नहीं करने के आरोप लगते हैं। तो फिर इस फौज की तपस्या में आखिर कमी कहां रह गई??? ये एक जमीन की नपती ढंग से नहीं कर सके???? मगर खेल तो जमीन पर कुछ और ही हो रहा है।

दुनिया भुला दूंगा, तेरी चाहत में

एक फिल्मी गाना फिर याद आता है—मैं दुनिया भुला दूंगा ....तेरी चाहत में। यहां पर यूडीए के अफसरों और डीपीएस के प्रबंधकों की चाहतों के सिलसिले बहुत ही गहराई से चल रहे हैं। जमीनी मोहब्बत में वो मकाम आ जाता है कि UDA के अफसर गैप भूमि नामक नए शब्द को जन्म दे देते हैं। याने कि...दूरी ना रहे कोई.... जैसी बात हो जाती है। अब ये जानना भी जरूरी हो जाता है कि गैप भूमि आप किसे कहेंगे। तो बच्चों जैसी बात करते है— गूगल कर लेते हैं। गूगल गैप के ये अर्थ बताता है :- कमी,अंतर,फर्क,घाट,अवकाश,दरार,छेद, फ़ासला लेकिन ऐसा कोई सटीक अर्थ नही मिलता है जो कि UDA ने इस्तेमाल किया है। अब जब सरकार पूछ रही है, आरटीआई में जवाब देना है तब सूत्र बात रहे हैं कि यूडीए में फाइल को टेनिस खिलाया जा रहा है।

अब समझिये कि आखिर क्या है मामला

जमीन आवंटन घोटाले के मामले में कुख्यात हुए उदयपुर के DPS स्कूल से जुड़े जमीन घोटाले के बाद UDA की जांच रिपोर्टों में विरोधाभास आ गया। सरकार की फटकार के बाद UDA ने अतिरिक्त लगभग 24 हजार वर्गफीट जमीन की गैप भूमि बता दिया लेकिन गैप भूमि की परिभाषा UDA कहा से ली ये जानना बड़ा जरूरी हो गया। UDA से RTI के जरिये जानकारी मांगी जाती है कि—

(1) उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा परिभाषित " गैप भूमि " की सूचना प्रदान की जाए

(2) उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा कहलाई जाने वाली " गैप भूमि " की सूचना प्रदान की जाए

(3) उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा दिनाँक 1 जनवरी 2025 से लेकर दिनाँक 31 अगस्त के मध्य राजस्व ग्राम रूपनगर में आवंटित की गई गैप भूमि की सूचना प्रदान की जाए

(4) उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किसी निजी स्कूल के सामने स्थित कब्जा की जमीन को रियायती दरों पर स्कूल को आवंटित करने हेतु उपलब्ध नियमों की सूचना प्रदान की जाए।

लेकिन UDA के अफसर जानते हैं कि पर्दा जो उठा गया तो भेद खुल जाएगा। भेद खुल जाएगा तो नौकरी पर बन आएगी। तो UDA ने RTI को कचरा पात्र में डाल दिया। मामला राज्य सूचना आयोग के पास गया तो आयोग भी चौंक गया। आयोग ने फैसला दिया कि UDA 21 दिन में आवेदक को अवलोकन करवा कर सूचना से सम्बंधित अभिलेख उपलब्ध करवा दिया जाए। अब ये सामने आना बड़े मजे की बात होगी कि UDA "गैप भूमि " के बारे में कौन सा दस्तावेज बताती है जो ये परिभाषित करता हो कि लीजिए, ये है गैप भूमि। अगर 24 हजार वर्गफीट की जमीन गैप भूमि है तो फिर यकीन जानिये उदयपुर के भू माफियाओं के अच्छे दिन आने वाले हैं।

ब्रह्मपोल मस्जिद के सामने शुरू हुई निगम की पार्किंग, खांजीपीर–ट्राईडेंट मार्ग विस्तारीकरण का काम हुआ तेज



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के यातायात दबाव को कम करने और वैकल्पिक मार्ग को सुचारु बनाने की दिशा में खांजीपीर से ट्राईडेंट होटल तक सड़क की सफाई व विस्तारीकरण का काम तेजी से जारी है। गुरुवार को उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने इस पूरे मार्ग का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य में सामने आई कमियों को लेकर यूडीए अधिकारियों को फोन पर ही तत्काल सुधार के निर्देश दिए। विधायक ताराचंद जैन खांजीपीर से समोर बाग, दूधतलाई और जलबुर्ज होते हुए ट्राईडेंट होटल तक पहुंचे और सड़क के हर हिस्से की स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने बताया कि यूडीए द्वारा हाल ही में ट्राईडेंट के पास कुछ भूमि अधिग्रहित कर नई सड़क का निर्माण कराया गया है, ताकि मल्लातलाई चौराहे की ओर जाने वाले वाहन शहर के भीड़भाड़ वाले मार्गों में फंसे बिना इस वैकल्पिक रास्ते का उपयोग कर सकें। वर्तमान में इस पूरे मार्ग पर सफाई और चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने बताया कि जलबुर्ज के पास आर्मी गेट तक सड़क की सफाई और विस्तारीकरण का काम पूरा हो चुका है। साथ ही उन्होंने यूडीए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मार्ग में आने वाली पुलियाओं को चौड़ा किया जाए, जिससे दो वाहन एक साथ सुरक्षित रूप से निकल सकें। पुलिया के दोनों ओर गिट्टी डालकर फुटपाथ विकसित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि दुपहिया वाहन चालकों को भी सुगम आवागमन मिल सके। ट्राईडेंट होटल के पास चल रहे कार्य का निरीक्षण करते हुए विधायक जैन ने अधिकारियों से काम में तेजी लाने और जल्द से जल्द सड़क को यातायात के लिए खोलने को कहा। निरीक्षण के दौरान अंबेडकर मंडल अध्यक्ष रणजीत सिंह दिग्पाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश वैष्णव, भाजपा नेता बलवीर सिंह दिग्पाल, पूर्व पार्षद मदन दवे और शंकर भी मौजूद रहे।

ब्रह्मपोल मस्जिद के सामने निगम की पार्किंग शुरू

निरीक्षण के बाद शहर विधायक ब्रह्मपोल मस्जिद के सामने विकसित की जा रही पार्किंग स्थल पर पहुंचे। यहां नगर निगम द्वारा कुछ समय पहले अतिक्रमण हटाकर पार्किंग का कार्य शुरू किया गया था। मौके पर फेंसिंग लग चुकी है और निगम ने अपने स्वामित्व का बोर्ड भी स्थापित कर दिया है। फिलहाल यहां पार्किंग की शुरुआत हो चुकी है और निगम ने एक कार्मिक भी तैनात किया है, जो वाहनों को व्यवस्थित ढंग से खड़ा करवाकर नियमानुसार शुल्क वसूल रहा है। नगर निगम के अनुसार, आने वाले समय में यहां बड़ी संख्या में वाहनों की पार्किंग संभव हो सकेगी, जिससे इस क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही पार्किंग समस्या का काफी हद तक समाधान होगा।

डायबिटीज उपचार में बड़ा बदलाव, अब इंजेक्शन नहीं सांस से मिलेगी इंसुलिन, उदयपुर में 17–18 जनवरी को होगा राष्ट्रीय एंडोक्राइन सम्मेलन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मधुमेह एवं हार्मोन संबंधी रोगों के उपचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत के बीच एमएमएस एंडोक्राइन एवं डायबिटीज रिसर्च ट्रस्ट द्वारा 17 एवं 18 जनवरी को उदयपुर में दो दिवसीय 13वां राष्ट्रीय एंडो डायाकॉन चिकित्सा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन होटल रमाडा में होगा। ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. डी.सी. शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से आए लगभग 25 राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ चिकित्सक भाग लेंगे। सम्मेलन में मधुमेह, थायरॉयड विकार, ऑस्टियोपोरोसिस तथा हार्मोन से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के आधुनिक उपचार एवं नवीन शोध पर व्याख्यान दिए जाएंगे। सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण हाल ही में भारत में उपलब्ध कराई गई सांस के माध्यम से ली जाने वाली इंसुलिन पर विशेष सत्र रहेगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह तकनीक मधुमेह रोगियों के लिए उपचार को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे मरीजों को बार-बार इंजेक्शन लगाने की परेशानी से राहत मिल सकती है। डॉ. शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में मोटापे पर एक पूर्ण सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें मोटापे के कारण, उससे होने वाली जटिलताओं तथा उपचार में प्रयुक्त नवीन दवाओं पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही हार्मोन असंतुलन और बांझपन से जुड़ी समस्याओं पर भी विशेष सत्र रखा गया है, जिसमें महिलाओं एवं पुरुषों में बांझपन के बढ़ते मामलों, उनके कारणों एवं उपचार विकल्पों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे। इसके अलावा थायरॉयड रोगों पर अलग से व्याख्यान होंगे, जिनमें थायरॉयड विकारों की पहचान, जांच और उपचार की जानकारी दी जाएगी। सम्मेलन में बच्चों में हार्मोन संबंधी समस्याओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें बच्चों की वृद्धि संबंधी समस्याएं, समय से पहले यौवन तथा बचपन में मोटापे जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन के दौरान ऑस्टियोपोरोसिस एवं मेटाबॉलिक हड्डी रोगों पर भी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें हड्डियों के स्वास्थ्य, फ्रैक्चर की रोकथाम एवं उपचार पर विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्यभर से लगभग 250 चिकित्सकों एवं चिकित्सा प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन चिकित्सकों के साथ-साथ आमजन में मधुमेह, हार्मोन एवं जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगा।

लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग की अनूठी पहल, कर साक्षरता अभियान का शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में समाज को कर संबंधी जागरूकता से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग द्वारा कर साक्षरता अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कुलपति सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने अभियान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विभाग द्वारा तैयार किया गया कर साक्षरता पर आधारित एक लघु शैक्षिक वीडियो भी यूट्यूब के माध्यम से आमजन के लिए जारी किया गया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. सारस्वत ने लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग को इस अभिनव पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कर साक्षरता जैसे विषय केवल अकादमिक महत्व तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह जागरूक, जिम्मेदार और कानूनन सजग नागरिकों के निर्माण की नींव रखते हैं। समाज के प्रति विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी को निभाने की दिशा में यह अभियान अत्यंत सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष एवं वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. शूरवीरसिंह भाणावत ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को आयकर एवं कर प्रणाली के प्रति जागरूक करना, कर से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना तथा स्वैच्छिक कर अनुपालन को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि कर अनुपालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का महत्वपूर्ण नागरिक दायित्व भी है।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक -सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।